देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 274 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...रूस और चीन के संबंध

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 11 दिसंबर 2019

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 12.0°

40239.88

2 नागरिकता संशोधन बिल पर भड़का पाक

7 धोनी खुद को टीम पर नहीं थोपेंगे

संक्षिप्त समाचार

बीएचयू के डॉ. फिरोज खान का इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में डॉ. फिरोज खान की संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में जॉइनिंग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। अब उन्होंने इस विभाग से इस्तीफा देने के बाद संस्कृत विभाग के कला संकाय में जॉइन कर लिया है। बता दें कि विवादों के बाद अन्य विभागों के लिए जो प्रक्रिया हुई, उसमें डॉ. फिरोज खान का चयन संस्कृत विभाग के कला संकाय और आयुर्वेद विभाग में भी हो गया था। डॉ. फिरोज खान ने संस्कृत विभाग कला संकाय में सोमवार को जॉइन कर लिया है।

मेक इन इंडिया से रेप इन इंडिया की ओर बढ़ रहा है भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। महिलाओं के खिलाफ अपराध पर सरकार को घेरते हुए भारत मेक इन इंडिया से रेप इन इंडिया की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत को दुनिया का रेप कैपिटल बताया था। अधीर रंजन चौधरी अक्सर अपने बयानों की वजह से मुश्किल में घिर जाते हैं। हाल ही में उन्होंने संसद में एक बहस के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को निर्बला कह दिया था।

नोटबंदी की खबरों को वित्त राज्यमंत्री ने किया खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने 2,000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने से संबंधित खबरों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि इस बारे में चिंता करने की कोई बात नहीं है। भविष्य में 2,000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने की सरकार की योजना है या नहीं, इस सवाल के जवाब में राज्य सभा में ठाकुर ने कहा, मुझे लगता है कि आपको चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

नागरिकता संशोधन बिल पर घमासान

सीएबी को लेकर सरकार पर विपक्ष हमलावर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 को लेकर सरकार पर विपक्ष हमलावर है। विपक्ष का कहना है कि यह बिल भारतीय संविधान पर हमला है। लोकसभा में शिवसेना ने भले ही नागरिकता संशोधन विधेयक (सीएबी) का समर्थन किया था पर राज्यसभा में उसका स्टैंड बदल सकता है। कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चला रहे शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि विधेयक पर विस्तृत चर्चा जरूरी है। आपको बता दें कि मंगलवार को ही ट्वीट कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिवसेना समेत दूसरे दलों को इशारों में ही संकेत देने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि जो भी इस बिल का समर्थन कर रहा है, वह देश की बुनियाद पर हमला कर रहा है। इसके बाद ही शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे ने कहा कि जबतक बिल के बारे में सारी बातें स्पष्ट नहीं की जाती हैं, हम इसका समर्थन नहीं करेंगे। दरअसल, शिवसेना द्वारा लोकसभा में बिल का समर्थन किए जाने पर कांग्रेस ने हैरानी जताई थी। हालांकि महाराष्ट्र में सरकार में शामिल एनसीपी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने यह कहकर दूरी बनाने की कोशिश की है कि दोनों अलग पार्टियां हैं और हमेशा यह संभव नहीं कि हर मुद्दे पर उनकी राय एक हो।

लोकसभा में पास, राज्यसभा में आजः आपको बता दें कि लोकसभा ने सोमवार को इस विधेयक को पारित कर दिया है, जो अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक प्रताड़ना के कारण 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए गैर मुस्लिम शरणार्थी– हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने के लिए पात्र बनाता है।

अमेरिकी संस्था की टिप्पणी पर भारत का करारा जवाब

अमेरिका के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की ओर से नागरिकता संशोधन के खिलाफ टिप्पणी की भारत ने निंदा की है। भारत ने अमेरिकी संस्था के बयान पर ऐतराज जताते हुए कहा है कि यह गलत और गैर–जरूरी है। अमेरिका के कमिशन फॉर इंटरनैशनल रिलिजियस फ्रीडम ने सोमवार को कहा था कि यह बिल गैर–मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देता है। संस्थान ने कहा कि था यह बिल गलत है, जो धर्म को नागरिकता का आधार मानता है। यही नहीं कमिशन ने गृह मंत्री अमित शाह को प्रतिबंधित करने की मांग की, जिन्होंने इस बिल को पेश किया है। अमेरिकी संस्था के बयान को खारिज करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिकी आयोग ने जो कहा है, उसके पिछले इतिहास को देखते हुए वह आश्चर्यजनक नहीं लगता।

असम में हिंसक हुआ विरोध प्रदर्शन

गुवाहाटी। लोकसभा से नागरिकता संशोधन बिला पास होने के बाद से असम में जमकर इसका विरोध किया जा रहा है। गुवाहाटी से लेकर डिब्रूगढ़ में लोगों ने आग लगाकर विरोध कर रहे हैं। सोमवार को हुए हंगामे के बाद मंगलवार को ऑल असम स्टूडेंट यूनियन और नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ने 12 घंटे का बंद बुलाया है। राज्य के लोगों का कहना है कि बाहर से आए नागरिकता लेने वाले लोगों से उनकी पहचान और आजीविका को खतरा है। आसू और बाकी संगठन विधेयक का जमकर विरोध कर रहे हैं।

यहां तो हवा से मर रहे, फिर फांसी क्यों

निर्भया के दोषी की सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली की निर्भया से गैंगरेप और जघन्य हत्या के दोषी अक्षय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर अजीबोगरीब तर्क देते हुए सजा–ए–मौत से राहत की मांग की है। अक्षय ने अपनी याचिका में कहा कि दिल्ली की हवा और पानी में वैसे ही इतना प्रदूषण है कि लोग ज्यादा नहीं जी पा रहे हैं, फिर मौत की सजा की क्या जरूरत है? अक्षय ने हास्यास्पद तर्क देते हुए कहा, ऐसे बहुत कम लोग हैं, जो 80 से 90 साल की आयु तक पहुंच पा रहे हों। अक्षय ने अपनी अर्जी में कहा, हम जब अपने आसपास देखते हैं तो पता चलता है कि कोई इंसान जिंदगी में विपरीत स्थितियों का जब सामना करता है तो फिर वह एक शव जैसा ही हो जाता है। उसने कहा कि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि दिल्ली एक गैस चेंबर में तब्दील हो चुकी है। इस तथ्य की तस्दीक खुद भारत सरकार ने ही अपनी एक रिपोर्ट में की है। हर कोई जानता है कि दिल्ली की हवा और पानी कितना खराब हो चुके हैं।

अक्षय ने कहा, दिल्ली की हवा और पानी खराब होने के चलते जिंदगी लगातार कम हो रही है। ऐसे मौत की सजा की क्या जरूरत है। यही नहीं जघन्य घटना के दोषी अक्षय ने महात्मा गांधी की भी एक टिप्पणी का जिक्र किया। उसने सुप्रीम कोर्ट को दी अपनी अर्जी में लिखा, गांधी जी हमेशा कहते थे कि कोई भी फैसला लेने से पहले सबसे गरीब व्यक्ति के बारे में सोचें। यह सोचें कि आखिर आपका फैसला कैसे उस व्यक्ति को मदद करेगा। आप ऐसा विचार करेंगे तो आपके भ्रम दूर हो जाएंगे।

एक दोषी ने वापस ली दया याचिकाः इस मामले के दोषियों में से सिर्फ एक विनय ने ही दया याचिका राष्ट्रपति को भेजी थी, लेकिन उसे भी उसने यह कहते हुए वापस ले लिया कि उसने इसे दायर ही नहीं किया है।

तिहाड़ जेल में तैयार हो रहा है फांसी का फंदा

सूत्रों के मुताबिक कोई जल्लाद नहीं होने के मद्देनजर तिहाड़ जेल प्रशासन ने जल्लाद मुहैया कराने के लिए देश की अन्य जेलों से संपर्क किया है। सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के जेल प्रशासन से अनौपचारिक बातचीत चल रही है।

कांग्रेस का डेंगू पर सदन में गलत आंकड़े रखने का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन भी विपक्ष आक्रामक नजर आया। सत्र की कार्यवाही शुरु होते ही नेता प्रतिपक्ष इंदिरा हृदयेश ने टीएचडीसी के विलय का मामला उठाया। इस पर संसदीय कार्यमंत्री मदन कौशिक ने कहा कि इससे जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में है लिहाजा चर्चा में नहीं आ सकता। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक ममता राकेश ने डेंगू से हुई मौतों का मामला उठाया। उन्होंने सरकार पर गलत आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका संसदीय कार्यमंत्री ने विरोध किया और कहा कि सरकार गंभीरता से जवाब दे रही है।

प्रश्नकाल में डेंगू पर सवाल उठाते हुए विधायक ममता राकेश ने मांग की कि डेंगू पीड़ितों का मुफ्त इलाज करवाया जाए और डेंगू से मरने वाले के परिजनों को सरकार यूपी की तर्ज पर मुआवजा दे। इस पर संसदीय सचिव ने जवाब दिया कि डेंगू से मौत पर मुआवजे को लेकर अभी कोई विचार नहीं किया गया है। नेता प्रतिपक्ष इंदिरा हृदयेश ने भी इस मामले में शामिल होते हुए कहा कि सरकार इसे हल्के ढंग से ले रही है।

सरकार की तरफ से जिम्मेदार मंत्री गलत जवाब संसदीय कार्यमंत्री मदन कौशिक अपने जवाब पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि सरकार गंभीरता के साथ जवाब दे रही है। उन्होंने बताया कि सितंबर में डेंगू के 2803, अक्टूबर में 1357 और नवंबर 172 केस हुए हैं। विधायक महेंद्र भट ने जिलावार डेंगू से हुई मौतों का आंकड़ा मांगा।

शीतकालीन सत्र

विशेषधिकार हनन का नोटिस

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि देहरादून में 6 और नैनीताल में 2 लोगों की डेंगू के कारण मौत हुई हैं, बाकी जिलों में कोई मौत नहीं हुई। नेता प्रतिपक्ष इंदिरा हृदयेश ने कहा कि वे इस मामले में विशेषधिकार हनन का नोटिस दे रही हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

मुस्लिमों का पाक, बांग्लादेश में उत्पीड़न नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय नागरिकता हासिल कर चुके बॉलिवुड के सिंगर अदनाम सामी ने नागरिकता संशोधन विधेयक का समर्थन किया है। सोमवार रात को लोकसभा में पारित हुए इस बिल का कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने विरोध किया है।

अदनाम सामी ने ट्वीट कर इस बिल का समर्थन करते हुए कहा, नागरिकता विधेयक उन धर्मों के लोगों के लिए है, जिनका धर्म आधारित देशों में उत्पीड़न हुआ है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में मुस्लिमों का उनके मजहब के चलते कोई उत्पीड़न नहीं हुआ है। इसलिए क्योंकि वे वहां बहुसंख्यक हैं। मुस्लिम पहले की तरह ही भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। लीगल और मुख्य रास्ते से उनका स्वागत है। यही नहीं अदनान सामी ने इस बिल पर टिप्पणी करने वाले दूसरे देशों को भी लताड़ लगाई है। पाकिस्तान का नाम लिए बना अदनान ने ट्वीट किया, भारत के आंतरिक मामले में किसी भी देश को टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

अदनान सामी ने किया नागरिकता संशोधन विधेयक का समर्थन